विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे 9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 7 से 13 नवंबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 20 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

ज़ीवन को इस कदर बनाइए कि आपके बाद आपके कार्य आपके उम्र से अधिक समय तक चलें . यह तभी संभव है जब आप परमार्थ अथवा सहयोग वाली भूमिका रखेंगे. जलने वाला व्यक्ति दूसरों से अधिक स्वयं का नुकसान करता है. ऐसे में आप अच्छा करते रहिए, प्रभु की कृपा बनी रहेगी.

पेज नंबर 2
अमरावती में धार्मिक पर्यटन दिला सकता है रोजगार

पेज नं.2
संयुक्त परिवार ही होता है सदैव खुशियों का आधार-सुधीर महाजन

पेज नं.3
धामणगांव रेलवे में बहाई है विकास की गंगा,2500 करोड से अधिक का हुआ है काम

पेज नं. 6
जनता के जननायक के रूप में जाने जाते हैं विधायक रवि राणा,पदयात्र में उमड़े नागरिक

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

टूटा रिकार्ड,अमेरिका में ट्रंप राज

महायुति अमरावती सीट से सुलभा खोड़के को उम्मीदवारी

राणा के खिलाफ बडनेरा से सुनील खराटे ठोंकेंगे खम

महाविकास गठबंधन की सीटों पर अभी भी पूरी बात नहीं बनी

विदर्भ स्वाभिमान,6 नवंबर

वाशिंग्टन- अमेरिका के राजनीतिक इतिहास में दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने का शानदार इतिहास रचते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की है. 131 साल के बाद अमेरिका में कोई राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद फिर से राष्ट्रपति बनने का रिकार्ड उनके नाम पर दर्ज हो गया है. 1893 में ग्रोवर क्लीवलैं ड हारने के बाद जीतने वाले राष्ट्रपति बने थे. प्रचार के दौरान जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप सबसे अधिक उम्र के राष्ट्रपति हैं. इतना ही नहीं तो वे एकमात्र सजायाफ्ता राष्ट्रपति बने हैं. बुधवार देर शाम तक 50 राज्यों की 538 सीटों में से उन्हें 279 सीटें मिली हैं. जीत के लिए जरूरी 270 सीटों से 9 सीटें अधिक जीतने में वे कामयाब हुए हैं.उनकी प्रतिद्वंदी डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस को केवल 223 सीटें मिली हैं. 50 राज्यों की जनसंख्या के आधार पर इलेक्टोरल वोट होते हैं. 538 में से 270 वोट पाने वाला राष्ट्रपति चुना जाता है. जबकि ट्रंप ने जीत के लिए निर्धारित वोट से भी 9 वोट अधिक प्राप्त कर सुपर पॉवर का चुनाव जीतते हुए इतिहास रचा. वे चौदह साल बाद पहले राष्ट्रपति भी बन गए, जिन्हें सिनेट में बहुमत मिला है. आगामी 20 जनवरी 2024 को वे चुनाव में शानदार सफलता प्राप्त करेंगे. उनके राष्ट्रपति बनने पर विश्वभर से शुभकामनाएं दी जा रही.

सभी मतदान कर लोकतंत्र मजबूत करें

विदर्भ स्वाभिमान,6 नवंबर

अमरावती- लोकतंत्र में हर मतदान का अपना महत्व होता है. एक वोट से अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिरी थी, ऐसे में सभी मतदाताओं को मतदान का महत्व समझते हुए अपने मतदान के माध्यम से राष्ट्रधर्म, मानवधर्म निभाने के साथ ही विकास का विजन रखने वाले उम्मीदवारों को अपना प्रतिनिधि चुनने और मतदान के मामले में अमरावती का रिकार्ड बनाने का आग्रह समाजसवी और भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी सुदर्शन गांग ने किया.

जिलाधिकारी सौरभ कटियार तथा विभाग द्वारा इस दिशा में किए जाने वाले प्रयासों की सराहना करते हुए जनता से जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ मतदान करने का आग्रह किया. विधानसभा चुनाव में सभी सीटों परमतदान के माध्यम से सच्चे और अच्छे लोगों को अपना नुमाईंदा बनाने और राज्य को प्रगति में सबसे आगे ले जाने का आग्रह किया.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

धार्मिक पर्यटन में बेरोजगारी को खत्म करने की क्षमता

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर ने क्षेत्र के विकास का कायापलट कर दिया है. हजारों लोगों को रोजगार मिला है, ऐसे में धार्मिक पर्यटन में रोजगार की अपार संभवना है. यह रोजगार की समस्या हल करने की ताकत रखताहै. जिले में भी इसकी अपार संभावना है. अमरावती जिले में शिक्षा संस्थाओं का जाल लगातार बढ़ रहा है. हर साल हजारों की संख्या में छात्र इंजीनियर, डाक्टर बनकर निकल रहे हैं. व्यावसायिक अभ्यासक्रमों के महाविद्यालय बढ़ रहे हैं लेकिन औद्योगिक विकास में जिला पिछड़ रहा है. हालांकि जिले में धार्मिक पर्यटन विकास के साथ ही चिखलदरा के रूप में हिल स्टेशन के विकास से पर्यटन विकास को बढ़ावा देकर हजारों लोगों को रोजगार मिल सकता है. लेकिन इस बारे में जितना प्रयास होना चाहिए, उतना नहीं हो पा रहा है. लेकिन जनप्रतिनिधियों में गंभीरता नहीं होने से पूर्व के नेताओं के प्रयासों से आई चीजें अमरावती से बाहर जा रही हैं. अमरावती स्थिति मोर्शी रोड की मिलिट्री कैंटीन अमरावती से पुलगांव जाने सहित कई कमियां भी यहां पर हैं. विकास के मामले में जहां जिला पिछड़ रहा है, वहीं केवल घोषणाबाजी का दौर चल रहा है. इसको लेकर प्रबुद्ध लोग त्रस्त आ गए हैं. किसी पार्टी विशेष की बजाय लगभग हर नेता को लेकर लोगों में नाराजी है. यहां पर धार्मिक विकास के माध्यम से पर्यटन की अपार संभावना है. अंबादेवी मंदिर का विकास काम शुरू हो गया है, कौंडण्यपुर में पूर्व पालकमंत्री एड. यशोमति ठाकुर के प्रयास से विकास चल रहा है. लेकिन यह काम जितनी गति से होना चाहिए, उतनी गति से नहीं हो पा रहा है. इसे गति देते हुए धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही चिखलदरा का समुचित प्रचार करने और यहां के विकास को करते हुए देशभर में इसे लोकप्रिय करने और लोगों को बुलाने के लिए समुचित कार्यक्रमों का आयोजन करने की जरूरत है.अकेले श्रीराम मंदिर के कारण अयोध्या का पूरा नक्शा बदल गया है. यहां विकास की गंगा बह रही है. जबकि अमरावती में कई धार्मिक क्षेत्र रहने के बाद भी उनके समुचित विकास पर ध्यान नहीं देने से हम पिछड़ गए हैं.

उद्योगों के अभाव में भारी संख्या में बेरोजगारी बढ़ रही है. ऐसे में जिले के सर्वांगीण विकास में पर्यटन, धार्मिक पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. जिले के अगर नेताओं द्वारा एकजुट होकर अगर इस दिशा में प्रयास किया जाए तो निश्चित ही अमरावती जिले की चिखलदरा, कौंडण्यपुर ऐसे क्षेत्र हैं, जिसका अगर सही तरीके से विकास किया जाए, इसकी महत्ता बताई जाए और पर्यटकों की सुविधा का प्रयास किया जाए तो लाखों लोगों को इससे रोजगार मिल सकता है. चिखलदरा में हिल स्टेशन के रूप में अपार संभावनाएं हैं. इस बारे में सही दिशा में प्रयास करने तथा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार की अपार संभावना पैदा करने की जरूरत है.

संयुक्त परिवार,खुशियों का आधार

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

ज़ीवन में आज सुविधा बढ़ी है और कमाई बढ़ी है लेकिन बावजूद इसके हर व्यक्ति की खुशी गायब है. संयुक्त परिवार ही खुशियों का आधार होता है, यह हम भूलते जा रहे हैं. आज गांवों में आप पंद्रह दिन रहकर आएं,परिवार के साथ खुशियां बांटे, आपका दिल खुश होगा, एनर्जी मिलेगी और बेहतरीन स्वास्थ्य मिलेगा. लेकिन कमाई की अंधी दौड़ ने हमारी खुशियां छीन ली हैं. आज हर व्यक्ति परेशान है, इस परेशानी की वजह कोई और नहीं बल्कि वही रहता है. यह भी कितनी हैरत की बात है कि जब वैद्यकीय क्षेत्र ने प्रगति नहीं की थी उस समय लोग 100 से अधिक साल के उम्र तक भी खुशी का जीवन जीते थे और बीमारियों से भी काफी हद तक बचे हुए थे लेकिन आज सब कुछ नजर की दूरी पर रहने के बाद भी अगर युवाओं को दिल का दौरा पड़ने जैसी बीमारी हो रही है, कम उम्र में बी.पी. शूगर जैसी बीमारियां अगर हमें घेर रही हैं तो निश्चित तौर पर यह सोचनीय विषय है. आखिर भरी जवानी में किसी

युवा की मौत उसके परिवार के लिए कितनी दुःखद रहती है, इसका अनुभव केवल और केवल वही कर सकता है. लेकिन इन स्थितियों के लिए प्राकृतिक, पारिवारिक और सामाजिक माहौल भी काफी हद तक जिम्मेदार रहने से इंकार नहीं किया जा सकता है. आज क्या अमीर, क्या गरीब हर व्यक्ति तनाव में है. गरीब व्यक्ति अमीर बनने के लिए शरीर को दांव पर लगाकर दौड़ रहा है और अमीर व्यक्ति सबसे अधिक अमीर बनने के लिए दौड़ रहा है. पहले लोगों में संतोष की भावना थी. प्राप्त है, पर्याप्त है की भावना रखते थे, संतोषम परम सुखम को जीवन का सूत्र मानते थे. लेकिन आज भागदौड़ ही जीवनचर्या बन गई है. मन कभी किसी को शांत नहीं बैठने देता है. लेकिन शास्त्र भी कहते हैं कि जो आए संतोष धन, सब धन धुरी समान. जब तक मन में संतोष नहीं होता है, परमात्मा ने कितना भी दिया है तब तक संतोष नहीं हो सकता है. बिना संतोष के खुशी नहीं मिलती है. संयुक्त परिवार से केवल खुशी नहीं मिलती है, बल्कि बच्चों को आदर्श संस्कार और जीवन के अनुभव भी मिलते हैं. ऐसे में यह जरूरी है कि हम देश में एकता के साथ ही परिवार की एकता की बात करें. भाई जैसा हितैषी दुनिया में नहीं हो सकता, यह याद रखें.

शहर में वैद्यकीय क्षेत्र में क्रांति

अमरावती शहर में सरकारी मेडिकल कॉलेज की मंजूरी के साथ इसमें 100 छात्रों के एमबीबीएस के लिए प्रवेश की खुशखबरी के साथ जिला वैद्यकीय क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है. इससे यह अब संभागीय मुख्यालय के साथ ही बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं का केन्द्र बन रहा है. क़ुछ साल पहले तक जो वैद्यकीय सुविधाएं अमरावती में उपलब्ध नहीं थी, वह अब उपलब्ध हो रही हैं. ऐसे में यह गौरव की बात है. साथ ही जिस तरह से शहर में आए दिनों नए-नए आधुनिकतम अस्पताल खुल रहे हैं,रिम्स हो, रेडिएंट हो अथवा अन्य अस्पताल, मरीजों को नागपुर अथवा अन्य महानगरों में मिलने वाली सुविधाएं यहां मिल रही हैं. सुपर स्पेशालिटी में किडनी ट्रांसप्लांट के साथ अन्य सुविधाएं हो रही हैं. यहां पर कठिन से कठिन शस्त्रक्रिया हो रही है, इसकी भी सराहना की जानी चाहिए. नागपुर के जैसी सुविधा देने वाला बडनेरा रोड का रिम्स हास्पिटल हो या फिर विश्वस्तरीय जांच सुविधा वाला धुंडियाल डायग्नोस्टिक सेंटर हो, हार्ट के क्षेत्र में सुख्यात डा. अजय डफळे, डॉ. प्रफुल्ल कडू, स्पाइन सर्जन डॉ. नितिन जयस्वाल, आर्थो पेडिक सर्जन डॉ. श्याम राठी, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा सहित कई दर्जन डाक्टर आज शहर में हैं. इससे निश्चित ही शहरवासियों की जिंदगी बढ़ गई है. स्थानीय सुपर स्पेशालिटी के विशेषज्ञों ने नागपुर की मेडिकल टीम की मदद के बिना किडनी प्रत्यारोपण शस्त्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया. यह इस अस्पताल में लगभग दो दर्जन से अधिक सर्जरी हुई है. सेवाभावी सेवाभावी डॉ. अविनाश चौधरी का इलाज और डायलिसिस चल रहा था. उसे सर्जरी के लिए सुपर स्पेशियालिटी में भर्ती कराया गया था.स्वास्थ्य उपसंचालक डॉ. तरंग तुषारवारे, चिकित्सा अधीक्षक. डॉ. अमोल नरोटे सहित डाक्टरों की टीम द्वारा पूरे विश्वास के साथ किया गया यह किडनी ट्रांसप्लांटेशन अमरावतीवासियों के लिए किसी गर्व से कम नहीं था, आज तक यहां पर कई किडनी ट्रांसप्लांट हो चुके हैं. इसके माध्यम से मुंबई दिल्ली,नागपुर के चक्कर जहां बचें गे, वहीं दूसरी ओर गरीब मरीजों की जिंदगी मिलने का प्रमाण भी बढ़ने वाला है. यही कारण है कि इस मामले में सुपर स्पेशालिटी का नाम राज्यस्तर पर चमक रहा है. अमरावती के सेवाभावी वैद्यकीय हस्ती डॉ. अविनाश चौधरी के साथ ही बेहतरीन स्वास्थ्य जांच के मामले में डॉ. पंकज घुंडियाल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर लिया जाता है. रिम्स के संचालक डॉ. श्याम राठी के साथ ही अस्पताल में हर क्षेत्र के विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम रहने से एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सेवाएं मिल रही हैं.महालक्ष्मी नेत्रालय के डॉ. राजेश जवादे, डॉ. तृप्ती जवादे, महिला व प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. प्रांजल शर्मा सहित हर क्षेत्र के विशेषज्ञ अमरावती में उपलब्ध होना शहर में वैद्यकीय क्षेत्र में क्रांति कहना गलत नहीं होगा.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

धामणगांव में विकास की बहाई है गंगा,विकास का उदाहरण बनेगा क्षेत्र,सभी के साथ से होगा विकास

विधायक प्रताप अड़सड़ ने रचा है विकास का इतिहास,लोग जानते हैं कौन सही,कौन गलत

हिन्दुत्व की मजबूती है आज सबसे अधिक जरूरी सभी का मिल रहा है समर्थन,विकास पर जोर

विदर्भ स्वाभिमान,31 अक्तूबर

धामणगांव रेलवे-शहर के विकास के साथ ही अभी तक विकास की गंगा बहाने वाले और 2300 करोड़ रूपए से अधिक का विकास काम करते हुए विकास के मामले में क्षेत्र को नंदनवन बनाने के संकल्प के साथ युवा नेतृत्व प्रताप अडसड़ चुनाव मैदान में हैं. विकास को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानने वाले अड़सड़ ने अपने कार्यकाल के दौरान व्यापक संपर्क, सभी से व्यक्तिगत संबंध रखने के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने और विकास करने का प्रयास किया है. यही कारण है कि लोगों का उन्हें सहयोग मिल रहा है. वे कहते हैं

साक्षात्कार

कि आज मतदाता करने वाले और बोलने वालों के बीच के अंतर को जानने लगा है. वह जान रहा है कि जिन्हेंने उसे हक नहीं दिया, केवल वोट बैंक के रूप में उपयोग किया. हिंदुत्व और राष्ट्रवाद को सभी महत्व दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि उन्होंने करोड़ोंरूपए के विकास काम किए हैं और मौका मिलने पर विदर्भ में धामणगांव रेलवे विधानसभा क्षेत्र को आगे ले जाने का प्रयास करेंगे. उनकी पदयात्रा के साथ ही उनकी सभाओं में भी लोगों का प्यार दिखता है. अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त रहने वाले प्रताप अडसड़ का कहना है कि जीवन में उन्होंने पिता तथा पूर्व विधायक प्रताप अडसड़ के मार्गदर्शन में जनता की सेवा को सदैव महत्व दिया है. पार्टी नेताओं का मार्गदर्शन और राज्य के साथ ही केन्द्र से करोड़ों रूपए का अनुदान उन्होंने खींचकर लाया है.

विकास के मामले में स्पष्ट विजन रखने वाले प्रताप अड़सड़ के मुताबिक विदर्भ में विकास के मामले में क्षेत्र को सबसे आगे ले जाने की इच्छा रखते हैं. युवाओं, खेतिहर मजदूरों,किसानों,महिलाओं को न्याय के साथ ही सभी के विकास उनका उद्देश्य है. देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व महाशक्ति बनाने के लिए जुटे हैं, इसमें भाजपा का हाथ मजबूत करने और साथ देने का आग्रह उन्होंने किया. उनके मुताबिक यह चुनाव राष्ट्र की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. उन्होंने सभी से मतदान करते हुए सही लोगों को चुनने और विकास का मार्ग प्रशस्त करने की जरूरत जताई. साथ ही कहा कि आज हमारे द्वारा की गई गलती हमारी आने वाली पीढ़ियां माफ नहीं करेंगी. विकास के साथ ही विधायक के रूप में उन्हों ने सदैव सभी को साथ लेकर चलने का काम किया है. यही कारण है कि उन्हें भाजपानीत महायुति का प्रत्याशी बनाया गया है.

हमारा लक्ष्य उपेक्षित बहुसंख्यकों के लिए आवाज उठाना है. आज के दौर में जो एकजुट हैं, वही ताकत बन सकते हैं. हिन्दुओं की आवाज को बुलंद करने के साथ ही आगामी पीढ़ियों की सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है. विकास का विजन और औद्योगिक विकास अपना उद्देश्य बताया.उनके मुताबिक बदलते समय में आज उपेक्षित बहुसंख्यक अगर मजबूत नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेगी. उन्होंने जीवन में राष्ट्र को सदैव प्राथमिकता दी है. आज इसकी अत्याधिक जरूरत रहने का विचार व्यक्त किया. उनके मुताबिक सुरक्षा का मुद्दा हमारी एकता से जुड़ा हुआ है. जब हम इसे गंभीरता से लेंगे तो ही हम ताकत बन पाएंगे.उनकी जीत के लिए महायुति के सभी घटक दलों के पदाधिकारी और सदस्यों द्वरा जी-जान से प्रयास करने और अपनी जीत सुनिश्चित बताई. साथ ही भरोसा दिलाया कि जिस तरह से जनता के विश्वास को उन्हों ने सार्थ किया है, उसी तरह मौका मिलने पर क्षेत्र को विकास में सबसे आगे रखने का प्रयास करेंगे.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

ज़ीवन में सदैव अच्छा सोचें

जीवन में जो लोग सदैव दूसरों का विचार करते हैं और अच्छा सोचते हैं, उन्हें कभी तकलीफ हो सकती है लेकिन प्रभु संभाल लेते हैं. लेकिन जो लोग सदैव दूसरों का बुरा सोचते हैं, उन्हें चैन से नींद नहीं आती है. इसलिए जितना संभव हो सके, अच्छा सोचने का प्रयास करते रहना चाहिए. प्रभु भी उन्हीं से प्रेम करते हैं, जो उनके द्वारा बनाए गए जीव-जंतुओं और मानव से प्रेम करता हैं. अगर अच्छा नहीं हो तो किसी के बारे में बुरा भी नहीं सोचना चाहिए.ऐसा करने पर नींद की गोली बगैर नींद आएगी, इतना निश्चित

अनुपम

ड्रेस मटेरियल्स

सलवार सुट्स

कुर्ती लेगिन्स

घाघरा चुन्नी

किड्स वेअर

नमुना नं.१, राजकमल चौक, अमरावती. ०७२१-२५७०१२९

आदर्श,परमार्थी व्यक्तित्व थे स्व.गुरूमुखदास घुंडियाल

तृतीय पुण्यतिथि पर भावपूर्ण आदरांजलि, शून्य से बनाया था संसार, सिखाई नैतिकता

ज़ीवन में पिताजी ने सदैव आदर्श आचार-विचार और परमार्थ का संस्कार दिया, वही घुंडियाल परिवार की सबसे बड़ी ताकत है. वे कहते थे कि अच्छा करने वाले को तकलीफ हो सकती है लेकिन वह कभी हारता नहीं है, जीतकर ही दम लेता है. जीवन है तो मृत्यु निश्चित है. उन्हें तीन साल हमसे बिछड़े बीते हैं लेकिन उनका आदर्श सदैव याद रहा है. भगवान उनकी तृतीय पुण्यतिथि पर भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें. स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल ने शून्य से संसार तैयार किया, इतना ही नहीं तो सिंधी सम्मान में जहां सम्माननीय स्थान पैदा किया, वहीं बच्चों को भी आदर्श आचार-विचार ,संस्कारों वाला सफलतम इन्सान बनाया है. उनकी 2 नवंबर को दूसरी पुण्यतिथि पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की विनम्र आदरांजलि. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, प्रभु चरणों में यही कामना.

संघर्ष से जूझते हुए घुंडियाल परिवार को न केवल जिले बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय, सेवा तथा सामाजिक कामों में चमकाने का जहां उन्हें श्रेय जाता है, वहीं हर भूमिका में वे प्रेरणादायी और आदर्श साबित होते थे. दो साल के बाद भी उनकी यादें, उनके आदर्श विचारों पर ही घुंडियाल परिवार अमल करते हुए आगे बढ़ रहा है. जीवन में नैतिकता, मानव सेवा तथा सकारात्मक सोच का अत्याधिक महत्व है. यह यद्यपि कठिन लगते हैं लेकिन इनसे प्राप्त कामयाबी दूर तक साथ देती है. इसलिए सदैव नैतिकता का पालन करने का प्रयास करना चाहिए. इससे आत्मिक आनंद मिलता है. यही सीख सदैव बाबूजी स्व.गुरूमुखदास घुंडियाल ने दी.शहर के सुख्यात व्यवसायी, आदर्श समाजसेवी, आदर्श पिता के साथ ही

समाज के लिए उनके समर्पण का उदाहरण दिया जा सकता है. आज वे भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श संस्कार पूरे घुंडियाल परिवार को प्रेरणा देने का काम करेंगे. बाबूजी को प्रेरणादाई व्यक्तित्व कहा जा सकता है. आज घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर अगर विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है, मरीजों के बेहतरीन स्वास्थ्य जांच में अगर महत्वपूर्ण भूमिका निभा पा रहा है तो इसका पूरा श्रेय बाबूजी के प्रोत्साहन को ही जाता है. परिवार के साथ ही समाज के भी किसी पीड़ित की मदद करने और मार्गदर्शन करने के कारण समाज में भी अपार लोकप्रियता उन्होने हासिल की थी. व्यवसाय में बुलंदी के साथ ही दिल के राजा व्यक्ति थे. बाबूजी सदैव कहते थे कि हमारा कर्म ही हमें सम्मान दिलाता है. बुरा कर्म करने के बाद उसका परिणाम भुगतना पड़ता है. उनकी यही सीख आज घुंडियाल परिवार के लिए आदर्श बनी है. किसी के प्रति केवल और केवल प्रेम उनकी दूसरी खूबी थी. हमारे कर्म से ही हम स्वयं को महान बना सकते हैं साथ ही अपना भाग्य तय कर सकते हैं. स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल ने जीवन में नेक कामों में स्वयं को जहां झोंके रखा, वहीं यही संस्कार अपने बच्चों डॉ. पंकज घुंडियाल, बेटे नीरज घुंडियाल, बेटी श्वेता को भी यही आदर्श संस्कार दिया. यह आज भी पिता के उन्हीं आदर्शों पर चलते हुए समाज में अपना स्थान बना रहे हैं. रेडियोडायग्नोस्टिक विशेषज्ञ डॉ. पंकज घुंडियाल तो राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हैं, वहीं बेटा नीरज व्यवसाय के क्षेत्र में पिता के नाम को रोशन कर रहा है. बेटी भी उच्च प्रतिष्ठा के साथ माता-पिता का सम्मान बढ़ा रही है.उन्हें परिवार से बिछुड़े दो साल होने के बाद भी हर क्षण,हर पल परिवार को पिता की याद आती है. पिता का जिक्र निकलने पर उनकी आंखें नम हो जाती हैं.

डॉ.पंकज घुंडियाल,अमरावती.

** || तृतीय पुण्यतिथि || **

तृतीय पुण्यस्मरण

आज आपको हमसे बिछड़े भले तीन साल पूरे हो गए हैं लेकिन कोई भी ऐसा पल नहीं है, जब आपको याद नहीं किए हैं. तृतीय पुण्यस्मरण पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि.

आपकी मधुर स्मृति, स्नेह आदर्श, मार्गदर्शन, आशीर्वाद हमारे लिए सदैव प्रेरणादायक रहेंगे | आपकी पुण्यतिथि पर समस्त परिवारजन भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है |

" आपका आशीर्वाद एवं स्नेह सदैव बना रहे "

* श्रद्धानवत् *

समस्त घुंडियाल परिवार,अमरावती.

बाबूजी का ज़ीवन हमें देगा परमार्थ की प्रेरणा

अमरावती, विदर्भ स्वाभिमान, 6 नवंबर- जीवन में माता-पिता से बड़ा देव कोई नहीं हो सकता है. मेरे पिताजी स्व.गुरूमुखदास घुंडियाल मेरे लिए पिता के साथ ही गुरू और प्रेरणास्त्रोत थे. उनका परमार्थी जीवन ही सदैव हमें प्रेरणा देता रहेगा. वह मेरे ही नहीं बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायी व्यक्ति थे. मानवता जहां उनमें कूट-कूटकर भरी थी, वहीं परिवार को आदर्श आचार-विचारों से संवारा और हर क्षेत्र में नैतिकता के आचरण की सीख दी. आज उनकी सीख पर ही घुंडियाल परिवार लगातार आगे बढ़ रहा है. सेवाभाव के साथ ही वे सदैव कहते थे कि हर व्यक्ति को जितना संभव हो, मानवता की सेवा में योगदान देना चाहिए.

नैतिकता, मानव सेवा तथा सकारात्मक सोच को अत्याधिक महत्व देने वाले तथा बचपन से ही बच्चों के लिए पूरा जीवन त्यागने वाले माता-पिता ही होते हैं. इसलिए हमारे प्रथम देव वही होती हैं. इसलिए उनकी सेवा, उनके आदेश का पालन करने के साथ ही उनकी खुशियों का विचार करने वाली औलाद कभी भी दुखी नहीं हो सकती है.बाबूजी का प्रेम और अपनापन सदैव प्रेरणादायी होता है. बात चाहे राष्ट्र की हो, समाज की हो अथवा नेक कामों की हो, बाबूजी सदैव उसे करने का प्रयास करते थे. आज परिवार उनके बताए मार्ग पर चल रहा.

परमार्थी व्यक्ति थे स्व.डी.बी. घटोरिया

18वीं पुण्यतिथि पर विशेष

ज़ीवन में पैसों के लिए कुछ भी करने की मानसिकता के बीच कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अपने उसूलों और सिद्धांतों के पक्के होते हैं. वे चाहे जिस भी क्षेत्र में रहें हॉनेस्टी इज द बेस्ट पॉलिसी को जीवन का सूत्र न केवल बनाते है बल्कि जीवन भर उसी पर चलते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल थे स्व. डी.बी. घटोरिया. प्रापर्टी व्यवसाय के क्षेत्र में उनके द्वारा स्थापित मापदंड आज उदाहरण बने हैं. उनकी 18वीं पुण्यतिथि पर विनम्र आदरांजली.

संजय एजेंसी के संस्थापक संचालक स्व. दुर्जनलाल घटोरिया ने जीवनभर इस ईमानदारी के सिद्धांत को कायम रखा. आज उनके दोनों बेटे भी पिता के आदर्श विचारों पर चल रहे हैं और संजय एजेंसीज को विश्वसनीयता तथा भरोसे के प्रतिष्ठान के रूप में सम्मान दिला रहे हैं. जीवनभर उन्होंने इस व्यवसाय को जहां सम्मानित स्थान पर बनाए रखा, वहीं बच्चों को भी हानेस्टी इज द बेस्ट पॉलिसी का गुरूमंत्र दिया. पुत्रों की नजर में पिता ही उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी हैं. जिन्होंने सदैव नेकी के साथ ही ईमानदारी, सच्चाई के साथ ही व्यवसाय करने की सीख दी. आज शहर ही नहीं तो जिले में संजय एजेंसीज को विश्वास का परिचायक इसीलिए माना जाता है. क्यों कि लागलपेट वाला काम नहीं होता है. विश्वास की परम्परा के कारण ही आंख बंद कर विश्वास करने में लोगों को कोई संकोच नहीं होता है. स्वभाव से जहां वे कठोर थे, वहीं कोमल ह्दय और गरीबों की मदद की भावना सदैव रखते थे. उनकी 17वीं पुण्यतिथि 15 नवंबर को है, इस उपलक्ष्य में उन्हें विनम्र आदरांजलि. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान कर अपने चरणों में स्थान दें, यही कामना. रीअल प्रापर्टी व्यवसाय के क्षेत्र में संजय एजेंसीज सदैव विश्वास और ईमानदारी के पर्याय के रूप में सुख्यात रहा है. इसके संचालक स्व. श्री डी.बी. घटोरिया जीवनभर सिद्धांतों पर जिए. घुमाने-फिराने की बजाय वे जहां स्पष्ट वक्ता थे, वहीं जीवनभर व्यवसाय हो अथवा निजी जिंदगी, कभी सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया.उनके पुत्र और एजेंसीज के वर्तमान संचालक अजयभैया घटोरिया भी पिता के आदर्शों पर एजेंसीज का संचालन कर रहे हैं. तीसरी पीढ़ी भी दादा के आदर्श पर चल रही है.आज भी शहर ही नहीं बल्कि जिले में विश्वसनीयता, पारदर्शिता के लिए संजय एजेंसीज को पहचाना जाता है.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

सदैव समर्पित और मददगार व्यक्ति हैं उमेश ढोणे

राणा दम्पति के चहेते के साथ ही सरकारी समन्वय का काम करते हैं बेहतरीन

विदर्भ स्वाभिमान, 6 नवंबर

अमरावती-आमतौर पर विधायक या सांसद को भरपूर निजी सचिव रहते हैं लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं, जिनकी समझदारी, सहयोग की भावना से संबंधित जनप्रतिनिधि का महत्व जनता की नजरों में बढ़ता है. ऐसे ही लोगों में उमेश ढोणे का नाम लिया जा सकता है. पिछले पंद्रह वर्षों से विधायक रवि राणा तथा पांच साल तक सांसद सौ. नवनीत राणा के शासकीय निजी सचिव के रूप में बेहतरीन काम करने वाले उमेश ढोणे स्वभाव से विनम्र रहने के कारण सभी के चहेते हैं. पार्टी का मंच हो अथवा सरकारी पत्र व्यवहार उन पर राणा दम्पति सदैव भरोसा करते हैं. इसे वे अपने जीवन की सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं. उनकी अनुपस्थिती में भी जनता का काम नहीं रूकने की योग्यता ऐसे निजी सचिवों में रहती है. अमरावती जिले की लोकप्रिय पूर्व सांसद सौ. नवनीत राणा और बडनेरा के लोकप्रिय विधायक के रूप में लोगों के दिलों पर राज करने वाले विधायक रवि राणा के कार्यकाल के इतना ही कार्यकाल उनके सरकारी निजी सचिव के रूप में उमेश ढोणे का हुआ है. दिखने में गंभीर लेकिन विभिन्न विभागों से सांसद तथा विधायक का जहां वे समन्वय करवाने में पीछे नहीं रहते हैं, वहीं उनकी अनुपस्थिती में भी किसी काम को रूकने नहीं देते हैं. उमेश ढोणे की इसी खूबी के चलते जहां राणा दम्पति सदैव खुश रहते हैं, वहीं जनता के कामों के मामले में भी उमेश ढोणे की तत्परता काबिले तारीफ है. उनकी विनम्रता इतनी है कि कभी भी किसी के साथ ऊंची आवाज में बात नहीं

उमेश ढोणे

करते हैं. सामने वाले की बात को ध्यान से सुनने के बाद उसकी समस्या का निराकरण करने अगर किसी सरकारी विभाग से जुड़ा मामला है तो वहां फोन कर मदद करने के स्वभाव के कारण उनके चाहने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है. गंभीरता के साथ काम करने की कला तो कोई उनसे सीखे. रेलवे सहित अन्य समस्याओं में लोगों की मदद के लिए वे तत्पर रहते हैं. सादगी, विनम्रता, किसी भी विषय पर जानकारी रखने के बाद बोलने के साथ ही सभी से विनम्रता वाला व्यवहार ही उन्हें भीड़ में भी अलग स्थान प्रदान करता है. कार्यालय ही नहीं बल्कि कोळी महादेव समाज पर हो रहे अन्याय को दूर करने के लिए उनके द्वारा विगत कई वर्षों से किया जा रहा संघर्ष शायद ही कोई भूले. उन्हें उज्वल, स्वस्थ जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं.

मानवसेवी संतश्री जलाराम बापा

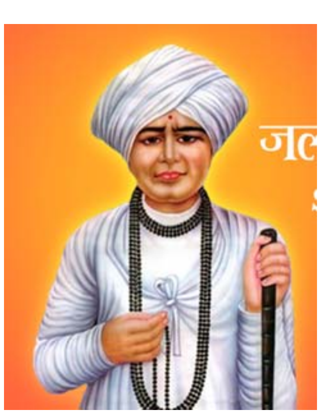

श्रीसंत जलाराम बापा जयंती विशेष

अनिल मगनलाल पंड्या

संत श्री जलाराम बापा का 82 वर्ष का जीवन त्याग समर्पण और भक्ति से परिपूर्ण था. उनके जीवन में ऐसे कई प्रसंग आए जिससे आज भी लाखों लोग प्रेरणा प्राप्त कर अपना जीवन धन्य बना रहे हैं. पिता की दुकान पर जब किशोर जलाराम बैठते तब दुकान का सामान यात्रा रुप साधु संतों को लुटा देते थे. पिता प्रधानजी धार्मिक प्रवृत्ति के थे, लेकिन परिस्थिति साधारण होने की वजह से जलाराम की दरियादिली से नाराज रहते थे. शुरुआत में उन्होंने जलाराम बापा को समझाने की कोशिश की लेकिन उनके ना समझने पर उन्हें घर से निकाल दिया. जलाराम बापा के काका वालजी जलाराम पर बहुत प्रेम करते थे. उन्होंने जलाराम बापा और उनकी पत्नी को अपने घर का सहारा दिया. दुकान पिता की हो या काका की, जलाराम बापा की दृष्टि में तो राम जी की दुकान थी. काका की दुकान संभाल कर रामधुन, राम भजन करना और अनाज दान में देना यह क्रम चलता ही रहा. जलाराम बापा ने अभी दुकान खोली थी कि सुबह 15 साधुओं की टोली आ पहुंची. उन्हें भिक्षा देने जलाराम बापा ने दुकान से सीधी सामग्री एक कपड़े में बांध कपड़े की गठरी सर पर रख कर सीधे उनके पीछे--पीछे उनके गंतव्य तक छोंड़ने चल पडे.पड़ोस में एक बनिया व्यापारी की दुकान थी. उसे हमेशा जलाराम बापा से ईर्ष्या होती थी. उसने सोचा आज लगे हाथ जलाराम को पकड़वा ही दूं.वह तो दौड़ते-दौड़ते वालजी काका के पास पहुंचे और आग्रह करने लगे. काका चलो आज मैं तुम्हें जलाराम बापा को रंगे हाथ पकड़ा ही देता हूं. काका ने सोचा कि ये कह रहा है चलो देख लेता हूं. बनिया और काका दोनों ही जलाराम बापा के पीछे चल पड़े.काका ने साधुओं के साथ साथ चल रहे जलाराम को आवाज लगाई. साधु और जलाराम दोनों रुक गए. करीब आकर काका ने कहा पोटली में क्या है? जलाराम जी मन ही ईश्वर स्मरण किया पर दृढता से कहा-गठरी में गोबरी और लोटे में गंगाजल है.जलाराम ने रामजी पर दृढ विश्वास रखते हुए काका के प्रश्न का जवाब दिया. कुल मिलाकर मानवसेवी संत जलाराम बाप्पा के विश्व भर में करोड़ों भक्त हैं, उनके नाम पर जलाराम सत्संग मंडल सेवा का दीपक सदैव जलाए रख रहा है. उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन.सभी भक्तों को बाप्पा की जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

दिल के राजा जननायक हैं विधायक रवि राणा

ज़नता के अपार प्यार को मानते हैं ताकत, दुवाओं के लिए सदैव रहते हैं प्रयासरत, सभाओं में उमड़ रहे हैं नागरिक

ज़नता का अपार प्रेम ही मेरी सबसे बड़ी ताकत

मैं गरीबी में पला बढ़ा हूं, यही कारण है कि गरीबों, दीन-दलितों,पीड़ितों की सेवा के साथ ही मैं राष्ट्रधर्म को प्रथम धर्म मानता हूं. मैंने जीवन में सभी वर्गों की मदद का काम कई साल पहले से शुरू किया है और चुनाव रहे या न रहे, मेरा सेवाकार्य चलता रहता है. जनता ने मुझमें सदैव विश्वास जताया है, मेरे जीवन में इससे बड़ी दौलत नहीं होती है. मैने जीवन में सदैव जनसेवा को अत्याधिक महत्व दिया है. जनता ही मेरी सबसे बड़ी गॉड फादर है. मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं कि राणा परिवार को सदैव जनता का साथ मिला है. मै इस विश्वास को सदैव बढ़ाने का काम करूंगा. जनता के लिए सदैव तत्पर रहूंगा और आखिरी सांस तक अन्याय के खिलाफ लड़ता रहूंगा.

रवि राणा,विधायक

जिनके घर में सदैव रहती है लोगों की भीड़

विधायक रवि राणा के बारे में समाजसेवी राजेश बनारसे बताते हैं कि भाऊ से 25 साल से अधिक समय से जुड़े हैं. उनकी सादगी और विनम्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कभी विधायक लगते ही नहीं है. कोई भी व्यक्ति उनसे मदद के लिए आने पर उसकी हरसंभव मदद करना उनकी खूबी है. इसकी सराहना तो उनके विरोधी भी करते हैं. भावना बनारसे के मुताबिक वे महिलाओं को सदैव मां-बहन जैसा सम्मान देते हैं. यही कारण है कि वे लोगों के दिलों पर राज करते हैं. माधवी काले,वीणा दुबे,श्वेता के मुताबिक राणा दम्पति के जैसे नेता आज तक जिले को नहीं मिला है. आज भी नवनीत राणा की हार से जिला दस साल पीछे चला गया है, इसका दु:ख लोग जताते हैं.

अमरावती - बडनेरा विधानसभा क्षेत्र के 62 साल के इतिहास में विधायकी की हैट्रिक कर इतिहास रचने वाले और जननायकके रूप में लोगों के दिलों में स्थान बनाने वाले विधायक रवि राणा ने बगैर भेदभाव के समाज के हर तबके की सदैव मदद की है. उन्होंने कभी जाति,धर्म,पंथ नहीं देखा है. दीन-दलितों की सेवा के मामले में समय पड़ने पर प्रशासन से भी भिड़ने की ताकत रखते हैं. उनका कहना है कि गरीबी को उन्होंने अत्याधिक करीब से देखा है. ऐसे में उनके मन में गरीबों के प्रति सदैव अपार प्रेम होता है. बडनेरा क्षेत्र का विकास राणा दम्पति ने जहां तेजी से किया है, वहीं सांसद रहते समय नवनीत राणा ने वैगन फैक्टरी, बेलोरा हवाई अड्डे के साथ ही करोड़ों रूपए के विकास काम किए हैं. दोनों जहां स्पष्ट वक्ता हैं, वहीं उनका कहना है कि चूंकि वे राजनीतिक परिवार से नहीं हैं, इसलिए दोनों का जीवन जनता के लिए खुली किताब के जैसा है. अपनी पदयात्राओं तथा विभिन्न सभाओं में उमड़ने वाली लोगों की अपार भीड़ को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं और जनता के प्रेम के बलबूते चौथी बार विधानसभा चुनाव में जीतने का आत्मविश्वास जताया. उनके मुताबिक लोगों का अपार प्रेम उन्हें मिल रहा है. उन्होंने कहा कि उनकी किसी से टक्कर नहीं है. जनता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही है और सदैव रहेगी.

महिलाओं का अपार साथ

विधायक रवि राणा की सभाओं में महिलाओं की रिकार्ड भीड़ उनके शुभ संकेत दे रही है. उनकी सभाओं में जिस तरह से महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है और उन्हें ध्यान से सुन रही हैं, उनके मद्देनजर रवि राणा को अपार प्रेम मिल रहा है. इससे उनके विरोधियों में भी हड़कम्प है. लोग कहते हैं कि राजनीति में दूध के धुले कोई नहीं हैं लेकिन गरीबों को मदद का कार्य वही करते हैं. ऊंगली दिखाना आसान है लेकिन करना कठिन.

राज्य विधानसभा चुनाव में बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में आज तक जो इतिहास किसी ने नहीं रचा, यह इतिहास जनता के आशिर्वाद से लगातार तीन बार विधायक रहकर उन्होंने रचा है, इसे जनताका अपार प्रेम मानते हैं. उनके मुताबिक अपने कार्यकाल के दौरान 10 हजार करोड़ के विकास काम उन्होंने तीन टर्म में किए हैं. औद्योगिक विकास, सड़क, बगीचे के साथ ही सार्वजनिक सभागृह के मामले में उनका रिकार्ड है.

वे कहते हैं मैने जीवन में सदैव जनसेवा को अत्याधिक महत्व दिया है. राजनीति में प्रवेश की बात हो, धार्मिक बात हो अथवा शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा मामला हो, सदैव अमरावतीवासियों के लिए जितना संभव हो सकता है, उतना करने का प्रयास किया. विकास की बात हो या फिर जिले तथा विदर्भ पर होने वाले अन्याय का मामला हो, मैं सदैव जनहित में आगे रहूंगा. जनता का अपार प्यार मैं अपना भाग्य मानता हूं. उसे बढ़ाने में कभी पीछे नहीं हटूंगा. इस आशय का मत हनुमान चालीसा के मामले से राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छाने वाले विधायक रवि राणा ने किया. बडनेरा के साथ अमरावती की जनता द्वारा दिया गया प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए जिले ही नहीं तो विदर्भ में सुख्यात रवि राणा ने कहा कि जनता के लिए कुछ भी करने के लिए वे सदैव तत्पर रहते हैं. जनता का सुख ही उनका सुख और दु:ख वे अपना दुख मानते हुए इसके निराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं.

जिले क़े लोकप्रिय नेताओं में से एक रवि राणा दबंग नेता के रूप में गिने जाते हैं. किसानों का मामला हो, छात्रों की बात हो तथा किसी भी पीड़ित की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. युवा स्वाभिमान पार्टी को जनसेवा का आधार बनाने के साथ ही उन्होंने इसे जनसेवा में पूरी तरह से समर्पित कर दिया है. आज पार्टी द्वारा जितने सामाजिक उपक्रम लिए जाते हैं, उतने शायद ही किसी द्वारा लिया जाता है. अपने जन्मदिन को कई दशकों से सेवादिन बनाने वाले, दीपावली, ईद के साथ ही डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर गरीबों के दरवाजे तक मदद करने वाले अपार लोकप्रीय नेता हैं. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ ही प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह सहित केन्द्रीय नेताओं के करीबी रहने के बाद भी उनकी सादगी उन्हें लोगों के दिलों में स्थान देती है. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास करने वाले रवि राणा राजनीतिक विवादों से सदैव दूर रहे. उनके मुताबिक जनता ने भी उन्हें सदैव साथ और प्रोत्साहित किया. पिछले कई वर्षो से राजनीति में लगातार आगे ही बढ़ते रहें हैं. उनकी अपार लोकप्रियता किसी अभिनेता से कम नहीं है. लेकिन आज भी उनके पैर जमीन पर हैं. किसी हाथगाड़ी वाले के गले में हाथ डालकर आत्मीयता जताने, कार्यकर्ताओं को पितृवत प्रेम देने के साथ ही उनके हर मुसीबत में पूरी ताकत से खड़े रहने वाले जननेता के रूप में रवि राणा ने अपना स्थान बनाया है.उम्र के 28 साल में विधायक बनने के बाद से राणा ने पूरा जीवन जनसेवा, विकास तथा सभी की समस्याओं को सुलझाने में लगा दी है. सुबह 5 बजे से रात 1 बजे तक जनता को उपलब्ध रहते हैं.

लोगों ने किया है संकल्प

विधायक के रूप में पिछले पंद्रह वर्ष से लोगों को सहजता के साथ उपलब्ध होने वाली उनकी बातचीत सुनने वाले रवि राणा को भाजपा के साथ ही महायुति के विभिन्न दलों का समर्थन मिलने से सोने पर सुहागा हो रहा है. उनके लिए गुजरात के शिक्षामंत्री ऋषिकेश पटेल के साथ ही भाजपा के राष्ट्रधर्म को सर्वाधिक महत्व देने वाले भाजपा पदाधिकारी,कार्यकर्ता जीजान से जोर लगा रहे हैं. पूर्व भाजपा अध्यक्ष किरण पातुरकर के साथ ही सुधीर वाघ, निलेश काजे, निलेश चौधरी के साथ ही हजारों कार्यकर्ता जहां उनकी जीत के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी सभाओं में उमड़ने वाली अपार भीड़ ने विरोधियों की नींद उड़ा दी है. कार्यकर्ताओं के साथ ही जनता का साथ मिलने से उनकी जीत की ही चर्चाएं सर्वत्र सुनने मिल रही हैं. लोगों के मुताबिक न केवल विधायक बल्कि सभी को साथ लेकर चलने वाले, सभी की बात को सुनने वाले और सभी को सहयोग करने वाले विधायक रवी राणा की जीत यानी गरीबों ,किसानों , युवाओं की जीत है. वे कहते हैं कि राणा ने कभी भी सामाजिक,धार्मिक कामों में राजनीति नहीं की. उन्होंने मदद भी सभी वर्गों को किया. ऐसे में एक बेहतरीन इंसान के लिए सभी पसीना बहा रहे हैं. सुबह से लेकर प्रचार के निर्धारित समय तक होने वाली उनकी सभी सभाओं में हर वर्ग के लोगों की मौजदूगी और उन्हें जिताने का लिया जा रहा संकल्प निश्चित ही पाना को विजयी बनाने का भरोसा जताया जा रहा है. लोगों के इसी प्रेम को अपनी सबसे बड़ी दौलत मानते हैं और जनता को गॉड फादर मानते हुए हर सभा में नमन कर रहे हैं.

गुरूवार 7 से 13 नवंबर 2024

मेष
इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. आपका हर काम इस दौरान सफलता दिलाने वाला होगा. विवाद से बचना होगा.

वृषभ
भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.

मिथुन
अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क
दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ
समझदारी,विनम्रता से सभी काम बनते जाएंगे. नाहक तनाव लेने से बचें.अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
इस सप्ताह छोटा सा प्रयास भी आपको सफलता दिलाने का काम कर सकता है. ऐसे में समझदारी से काम करना उचित है.

संवाददाता/मार्केटिंग एक्जकूटिव चाहिए

आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान को जिले में सर्वत्र संवाददाता तथा मार्केटिंग के लिए मेहनती और समर्पित युवक-युवती चाहिए. अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता
विदर्भ स्वाभिमान
छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

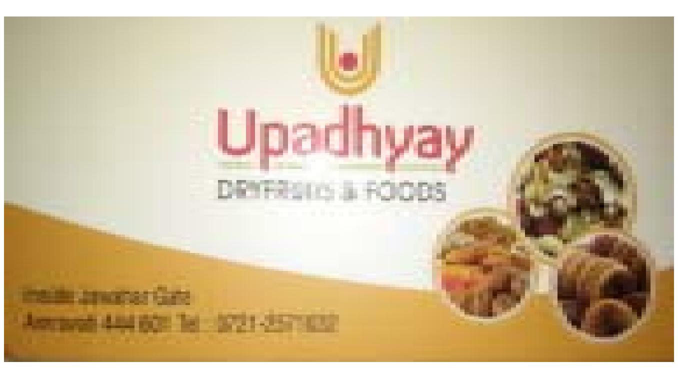

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

संघर्षों से जूझने की चाहत रखने वालों को ही मिलती है सदैव सफलता

मानवता की सेवा सर्वोच्च,अभिषेक पंजापी,माता-पिता की सेवा को मानते हैं सफलता का राज

प्रतिनिधि, 26 अप्रैल

अमरावती- जीवन में जो लोग सदैव सभी का अच्छा सोचते हैं, उनका कभी बुरा नहीं होता है. ऐसे लोगों के जीवन में तकलीफ आ सकती है लेकिन वह अधिक समय तक नहीं रहती है. यही कारण है कि ऐसे लोग समाज के सामने आदर्श से कम नहीं होते हैं. जीवन में जितना संभव हो, उतना नेक काम करने का प्रयास सभी को करना चाहिए. इससे मिलने वाली खुशी का हम अंदाजा नहीं लगा सकते हैं. इस आशय का मत सुख्यात व्यवसायी, मानवसेवी और कई पुरस्कार प्राप्त करने वाले अभिषेक पंजापी ने किया. उनके मुताबिक माता-पिता तथा संयुक्तपरिवार ही खुशियों का आधार होता है. जहां यह स्थिति रहती है, वहां सदैव खुशियां, तरक्की ही रहती है. जिलाधिकारी सौरभ कटियार तथा चुनाव विभाग द्वारा शतप्रतिशत मतदान के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी से मतदान करने और इस क्षेत्रमें अमरावती का रिकार्ड बनाने का आग्रह किया.

क़हावत है कि भगवान भी उसी का साथ देते हैं, जो खुद की मदद खुद करने में विश्वास रखता है. जीवन में भाग्य के भरोसे बैठने वाले जीवन में जहां के वहीं रह जाते हैं लेकिन जो लोग प्रभु पर भरोसा करते हैं, माता-पिता का आशिर्वाद प्राप्त कर

विदर्भ स्वाभिमान

उनकी सेवा करते हैं, वे जीवन में कभी विफल ही नहीं हो सकते है. इस तरह की आत्मविश्वासपूर्ण सोच रखने वाले युवक के रूप में शिव स्पोर्टस के संचालक और सिंधी समाज के तेजी से उभरते समाजसेवी, व्यवसायी के साथ ही मानवता की सेवा में भी सदैव तत्पर रहने वाले अभिषेक पंजापी है. माता-पिता की सेवा का पाठ तो कोई उनसे सीखे. जिस तरह से इस सौभाग्यशाली बेटे ने भाई रवि पंजापी और पूरे पंजापी परिवार के साथ माता-पिता की सेवा की, उसका आदर्श युवाओं को लेने की जरूरत है.

बचपन में माता-पिता के साथ मिलकर संघर्षों को झेलने के बाद माता-पिता के संघर्षों का साथी बनने वाले अभिषेक पंजापी जितने सफल व्यवसायी हैं, उससे भी बेहतरीन मित्र, भाई, पति तथा पुत्र हैं. संवेदनशीलता इतनी है कि किसी के दुख को सुन नहीं सकते हैं. बातचीत में वह बताते हैं कि पिता ने काफी संघर्ष किया था. आज अगर पंजापी परिवार पूरे समाज में सम्मानित परिवार के रूप में गिना जाता है तो पिता की तपस्य, उनकी मेहनत, उनकी उदार सोच और सदैव सेवाभाव की सीख को ही जाता है. माता जहां धार्मिकता से ओतप्रोत थी, वहीं पिता सेवाभावना और मानवता की सीख दोनों भाईयों को देते थे. पंजापी परिवार आज व्यवसाय के क्षेत्र में न केवल अमरावती शहर बल्कि समूचे विदर्भ में गिना जाता है. शिव स्पोर्टस, नमूना गल्ली नंबर 1 जहां ब्रांड बन गया है, वहीं दोनों भाईयों में राम-लक्ष्मण जैसा प्रेम, विश्वास और सम्मान ही इस प्रतिष्ठान को आज कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचा रहा है. गुणवत्ता के साथ ही विभिन्न सुख्यात कंपनियों के स्पोर्टस टी शर्ट, पैन्ट के साथ ही खेल से जुड़े हर आईटम यहां मिल जाते हैं. दोनों ही भाईयों के मुताबिक गुणवत्ता की सीख उन्हें पिता से मिली है. इसलिए यहां तत्परता से ग्राहकों की सेवा और गुणवत्तापूर्ण आइटम के मामले में कभी भी समझौता नहीं करते हैं. समाजसेवी के साथ राजनीति में सक्रिय रहने वाले अभिषेक पंजापी ने सभी को चुनाव में मतदान करने और लोकतंत्र को मजबूत करने, लोगों का काम करने वाले,विकास का विजन रखने वालों को ही वोट देने का आग्रह किया.

हिन्दुत्व की मैं लड़ाई लड़ रहा हूं, मिल रहा साथ

विकास और उपेक्षित बहुसंख्यकों के हितों के साथ शहर विकास है प्राथमिकता

हिन्दुत्व की मजबूती है आज सबसे अधिक जरूरी

एकता से ही राष्ट्र होगा मजबूत,यह जरूरी है

विदर्भ स्वाभिमान,31 अक्तूबर

अमरावती- शहर के विकास के साथ ही हमारा लक्ष्य उपेक्षित बहुसंख्यकों के लिए आवाज उठाना है. आज के दौर में जो एकजुट हैं, वही ताकत बन सकते हैं. हिन्दुओं की आवाज को बुलंद करने के साथ ही आगामी पीढ़ियों की सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है. शहर के विकास का विजन और औद्योगिक विकास मेरा उद्देश्य है. इस आशय का मत पूर्व मंत्री और अमरावती विधानसभा सीट से निर्दलीय के रूप में चुनाव मैदान में उतरे जगदीश गुप्ता ने किया. उनके मुताबिक बदलते समय में आज उपेक्षित बहुसंख्यक अगर मजबूत नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेगी. उन्होंने जीवन में राष्ट्र को सदैव प्राथमिकता दी है. आज इसकी अत्याधिक जरूरत रहने का विचार व्यक्त किया. उनके मुताबिक सुरक्षा का मुद्दा हमारी एकता से जुड़ा हुआ है. जब हम इसे गंभीरतासे लेंगे तो ही हम ताकत बन पाएंगी. भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजी है. इसके साथ ही उन्हें सभी का सहयोग मिलने का दावा किया. उनके मुताबिक राजनीति को उन्होंने धंधा नहीं समझा और यही कारण है कि राजनीति में रहते समय और अभी भी वे शहर के विकास, यहां के युवाओं के रोजगार को प्राथमिकता देते हैं. शहर में सभी वर्गों का प्रेम उन्हें सदैव मिलने का दावा करते हुए कहा कि विधानसभा का यह चुनाव आगामी पीढ़ियों के लिए दिशा-दर्शक बनेगा. उन्हों ने आत्मविश्वास से लबरेज होकर कहा कि जिस तरह से लोगों का उन्हें साथ मिल रहा है, इससे उन्हें अपनी जीत का विश्वास है.

पूर्व पालकमंत्री जगदीश गुप्ता जैसे कई नेता आज पार्टी की भूमिका से नाराजी जताते हुए कहा कि पार्टी को मजबूती प्रदान करने वाले कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नहीसमझने की गलती पार्टी द्वारा की जा रही है. बीच में उनकी सक्रियता कम हुई थी लेकिन पार्टी नीतियों का उन्होंने कभी विरोध नहीं किया. उनके मुताबिक उनके खून में भाजपा विचारधारा है. लेकिन जब बात पार्टी की आती है तो वे संभाल नहीं पाते हैं. लोगों से उन्होंने मौका देने का आग्रह किया.

इस बार का विधानसभा चुनाव कई मामले में अलग है. यह शहर का भाग्य लिखेगा. एक ओर तुष्टिकरणवाली नीति है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रवाद और उपेक्षित बहुसंख्यकों के हित का मामला है. लोगों का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है. मुझे शहर की समझदार जनता पर पूरा विश्वास है. वह मेरे साथ है.

जगदीश गुप्ता,अमरावती

मत विभाजन का लाभ मिलने का है उन्हें विश्वास

जिले के साथ ही विदर्भ में फिर एक बार मुस्लिम समाज को झटका लगने जैसी स्थिति है. सदैव सत्ता में अपने वोटों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समाज का इस बार कांग्रेस से मोहभंग दिखाई दे रहा है. ज़गदीश गुप्ता ने कहा कि अब मुस्लिम समाज में जागरूकता आयी है. वे काम करने वालों को महत्व दे रहे हैं. इस समाज पर फिर एक बार विधायक के चुनाव में अन्याय किया गया है. कांग्रेस पर वादा कर भूलने और इस समाज को सदैव बहलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब समाज कांग्रेस को जान चुका है. इसका लाभ उन्हें चुनाव में मिलने वाला है. कथित धर्मनिरपेक्ष दलों ने अमरावती से लेकर पूरे विदर्भ में निराश किया है. इस समाज का स्वयं को रहनुमा बताने वालों ने उम्मीदवारों की सूची जारी करते समय यह भी नहीं सोचा कि उनकी कथनी और करनी का असर इस समाज पर क्या पड़ेगा. इस तबके का भी सहयोग निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उन्हें मिलने का विश्वास जताया. उनके मुताबिक पालकमंत्री रहते समय तथा राजनीति में सक्रिय रहते समय भी उन्होंने सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास किया. उनकी लड़ाई विकास, राष्ट्रवाद,धर्म और सत्य की लड़ाई है. अमरावती से बड़ी संख्या में प्रत्याशी मैदान में रहने से इसका उन्हें लाभ मिलने का भरोसा जताया. साथ ही कहा कि वे अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं. लोग स्वयं होकर उनका प्रचार करने के लिए आगे आ रहे हैं.शिक्षा क्षेत्र के साथ ही सामाजिक धार्मिक कामों में योगदान के मद्देनजर हजारों मित्र परिवार उनका इस समाज में भी हैं. इस बार के चुनाव को कई मामले में अलग बताते हुए हिन्दुत्व और उपेक्षित बहुसंख्यकों से एकजुट होने तथा उन्हें विजयी बनाने का आग्रह किया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन में जब हम किसी की खुशियों का माध्यम बनते हैं, किसी को सम्मान देते हैं तो निश्चित तौर पर वही सम्मान,वही अपनापन लौटकर आता है. कुछ लोग इसके अपवाद हो सकते हैं. लेकिन अधिकांश लोग प्रेम,आत्मीयता और सम्मान को सदैव महत्व देते हैं. जीवन रूपी गाड़ी में हम सभी सवार हैं. इस गाड़ी के चालक स्वयं प्रभु हैं, वह कहां उतार दें, इसका भरोसा नहीं है. ऐसे में जीवन में सच्चे मन से सदैव अच्छा करने का प्रयास करने वाले का कभी बुरा प्रभु नहीं होने देते हैं. श्रद्धा और विश्वास से बड़ी ताकत नहीं हो सकती है. सदैव समझदारी से प्रेम बरसाते रहें, सदैव खुशियां आपके पास रहेंगी.

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. इस मानवीयता के नेक काम में आप विज्ञापन के माध्यम से हमें सहयोग देकर इस कड़ी को बढ़ाने का प्रयास करें.

पद, प्रतिष्ठा न कभी किसी के साथ हमेशा रही है न रहती है. लेकिन जिन लोगों ने पद और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित में किया रहता है, वे बिना पद के भी सम्मानित रहते हैं. मरने के बाद भी नहीं मरने वाले लोगों में उनका नाम रहता है. इसलिए सदैव अच्छी सोचते हुए अच्छा करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com